

कर्णपाली स्त्री. (तत्.) कान में पहने जाने वाला आभूषण, लोंग, कान की बाली, कर्णफूल, मुरकी।

कर्ण-पिशाची स्त्री. (तत्.) एक देवी विशेष जिसकी सिद्धि प्राप्त होने पर (जैसा कहा जाता है) व्यक्ति वांछित (अज्ञात) जानकारी प्राप्त कर सकता है।

कर्णपुर पुं. (तत्.) आधुनिक भागलपुर का पुराना नाम, चंपा नगरी।

कर्णपूर पुं. (तत्.) 1. नीला कमल 2. अशोक वृक्ष 3. सिरिस का पेड़ 4. कर्णफूल (करनफूल) 5. कान का आभूषण।

कर्णमधुर वि. (तत्.) कानों को मधुर लगने वाला, श्रुतिमधुर।

कर्णमाधुर्य पुं. (तत्.) सुनने में मधुर लगने का भाव, श्रुतिमधुरता, सुश्रव्यता।

कर्णमूल पुं. (तत्.) 1. कान का नीचे वाला भाग 2. कान की जड़ 3. कानों का एक रोग, कनपेड़ा रोग गलसुआ। mumps

कर्णवेध पुं. (तत्.) 1. बालकों के कान छेदने का संस्कार, 'कनछेदन', कान को छेदना।

कर्णशरीष पुं. (तत्.) अलंकार या आभूषण की तरह कान पर रखा हुआ शरीष का फूल (पुष्प)।

कर्णशष्कुली स्त्री. (तत्.) कान का निचला बाहरी भाग जिसमें छेद करके बालियाँ पहनी जाती हैं टि. कर्णशष्कुली के छेद से मध्य कान की बाहरी दीवार तक जाने वाली नली "कर्णाजलि" कही जाती है।

कर्णशोथ पुं. (तत्.) कान की सूजन।

कर्णसाव पुं. (तत्.) (आयु.) कान बहने (कान से पीप निकलना) का रोग।

कर्णहीन वि. (तत्.) कानों से रहित, बिना कानों वाला, सर्प (साँप), कर्णहीन।

कर्णातिक वि. (तत्.) कान के समीप स्थित।

कर्णाकर्णि वि. (तत्.) कानोंकान, कानाफूसी।

कर्णाका स्त्री. (तत्.) 1. ताटक, बाली या बाला नामक कान का आभूषण 2. कमल का बीजकोश 3. हाथ की मध्यमा (बिचली) उँगली 4. हाथी की सूँड की नोक 5. रवती, सफेद गुलाब 6. कलम, लेखनी 7. डंठल।

कर्णाट पुं. (तत्.) वर्तमान कर्नाटक प्रांत का (क्षेत्र का) पुराना नाम 2. मेघराज का दूसरा पुत्र माना जाने वाला संपूर्ण जाति का एक राग, इसे प ध नि सा रे ग म प स्वर पाठ के माध्यम से रात के पहले पहर में गाया जाता है।

कर्णाटक पुं. (तत्.) दे. कर्णाट

कर्णाटी स्त्री. (तत्.) 1. कर्नाटक की स्त्री, वस्तु 2. कर्नाटक प्रदेश का संगीत (एक रागिनी) जो रात्रि की दूसरी धड़ी में गायी जाती है 3. कन्नड भाषा (कर्नाटक की भाषा) 4. शब्दालंकार की एक वृत्ति जिसमें केवल कवर्ग के ही अक्षर आते हैं।

कर्णादर्श पुं. (तत्.) कान का एक गहना, कर्णफूल।

कर्णाधार पुं. (तत्.) कर्णधार, नायक, मार्गदर्शक उदा. विसर्जन ही है कर्णाधार, वही पहुँचा देगा उस पार-यामा पृ 190 महादेवी।

कर्णारि पुं. (तत्.) कर्ण का अरि (शत्रु) 'अर्जुन'।

कर्णाबुद पुं. (तत्.) कान का अबुद, कान का फोड़ा, कान का मस्सा।

कर्णालंकृति स्त्री. (तत्.) कान की शोभा 2. कान की सजावट 3. कान का आभूषण।

कर्णिकार पुं. (तत्.) 1. कनेर का वृक्ष 2. कनेर का फूल 3. अमलतास का वृक्ष या फूल।

कर्णी पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का बाण जिसका सिरा कान के आकार का होता है 2. कर्णधार, मल्लाह, नाविक 3. अमलतास का वृक्ष 4. कनपटी 5. कानों वाला 6. पतवार वाला 7. गठीला 8. बड़े कानों वाला (दीर्घकर्ण)।

कर्णोपकर्णिका स्त्री. (तत्.) 1. किंवदंती, अफवाह 2. कानाफूसी करने वाली स्त्री।